Power grid with Nepal and Sri Lanka

Written Answers

34. SHRI KALI MUKHERJEE : SHRI BHOLA PRASAD : SHRI H. S. NARASIAH :

· Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

- (a) whether Government have any proposal under their consideration to approach Nepal and Sri Lanka to link the proposed All India or Inter-regional grids with power supply system in those countries; and
 - (b) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI BAIJ NATH KU-REEL): (a) and (b). Under the Gandak Hydro-Electric Project, which is in Nepal, a 132 kV single circuit line from Gandak to Sagauli (Bihar) has been planned which will connect the Gandak power station with the North Bihar Another 132 kV single line from Sagauli to Raxaul on Nepal border is also planned for supplying power to Nepal.

There is diversity in the period of water availability in the rivers of Sri of Lanka and Southern part India. In India July to October represents monsoon period with excessive flows in the rivers and power may be made available to Sri Lanka. Likewise Sri Lanka may make available to India secondary power during April to June as the river flows are higher during these months. Thus by inter linking, the power systems of the two countries could be operated to the mutual benefit of both. In order to carry out preliminary studies in this regard necessary technical data pertaining to both the power systems are being collected.

खर्चीली न्याय व्यवस्था

35. श्री जगदस्बी प्रसाद यादवः श्रीमती सविता बहिनः श्री लाल आडवाणीः श्री मान सिंह वर्माः श्री ना० कृ० शेजवलकरः श्री जगदीश प्रसाद मायुरः

श्री डी० के० पटेलः श्री रतन लाल जैनः की

क्या विधि और न्याय मंत्रो यह बताने की कृपा करेगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि देश की न्याय। विव्यवस्था खर्चीलो होने के साथ-साथ विलंबकारी भी है, और यदि हां, तो शोध्र न्याय दिलान। सुनिश्चित करने और उसे गरीबों को सुलभ करने के लिये क्या कोई व्यापक योजना बनाई गई है अथवा बनाई जा रही है;
- (ख) यदि हा, तो इस योजनाका ब्यौरा क्याहै;
- (ग) उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में अनिर्णीत मुकदमो की कुल संख्या जून, 1972 के अंत तक क्या है और ये मुकदमें किन-किन वर्षों के हैं; और
- (घ) इन मुकदमों पर निर्णय करने में विलंब होने के क्या कारण है और सरकार ने इन मुकदमों को शीघ्र निर्णीत कराने के लिये क्या कदम उठाये हैं?

†[Expensive administration of justice

35. SHRI J. P. YADAV .
SHRIMATI SAVITA BEHEN :
SHRI LAL K. ADVANI :
SHRI MAN SINGH VERMA :
SHRI N. K. SHEJWALKAR :
SHRI JAGDISH PRASAD
MATHUR :
SHRI D. K. PATEL :

SHRI RATTAN LAL JAIN :

^{†[]} English translation.

Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the system of administration of justice in the country is both expensive and dilatory; if so, whether any comprehensive scheme to ensure speedy justice and to bring it within the reach of the poor has been or is being laid down;
 - (b) if so, the details of the scheme;
- (c) what is the total number of cases pending in the Supreme Court and High Courts till the end of June, 1972 and the years to which they relate; and
- (d) what are the reasons for delay in their disposal and what steps Government have taken to expedite the disposal of these cases?]

विधि और न्याय मंत्री (श्री एच॰ आर॰ गोखले): (क) और (ख) न्याय व्यवस्था राज्य का विषय है तथापि विधि आयोग और अन्य निकायों की सिफारिशों के आधार पर समय-समय पर इस बात की जांच की जाती है कि विलम्ब और मुकदमों के खर्च में विधायो उपायों द्वारा किस हद तक कमी की जा सकतो है। आयोग की रिपोर्टों के आधार पर सिबिल प्रक्रिया संहिता और बण्ड प्रक्रिया संहिता और बण्ड प्रक्रिया संहिता और विचार किया जा रहा है। विद्यमान विधि आयोग विलम्ब और खर्च को कम करने की दृष्टि से सिबिल प्रक्रिया संहिता की विस्तार-पूर्वक औष बार रहा है।

- (ग) 1972 के जून के अंत तक की जानकारी मुरन्त उपलब्ध नहीं है। 1971 के दिसम्बर के अन्त तक की जानकारी देने बाले विवरण संलग्न कर दिए गए हैं (आगे देखिये उपबंध I और II)।
- (घ) 1967 के दिसम्बर में प्रत्येक उच्च न्यायालय में काम की परिस्थिति की जांच

करने पर यह पता बला कि अधिकतर मामलों में मुकदमों के बकाया रह जाने का मुख्य कारण न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या थी। अन्य कारण रिक्तियों को भरने में विलम्ब, अधिक न्यायाधीशों की नियुक्त के लिए न्यायालयों में स्थानों की कमी और सेवारत न्यायाधीशों की सेवाओं का उपयोग उच्च न्यायालयों में, उनके स्थान पर अन्य नियुक्तियों के लिए उपबंध किए बिना, जांच आयोग आदि में करने थे।

राज्य सरकारों को सलाह ही गई थी कि ये मुकदमों के प्रति वर्ष संस्थित किए जाने और अनिर्णीत मामलों को देखते हुए न्यायाधीशों की संख्या पर विचार करे और यदि आवश्यक हो तो अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताब भेजे। रिक्तियों को भरने में विलम्ब को रोकने और उच्च न्यायाधीशों के बाहर काम पर लगाए गए न्यायाधीशों के स्थान पर अन्य नियुक्तियों के लिए उपबंध करने की आधश्यकता पर भी जोर दियया गयां।

पिछले कुछ वर्षों भें, उच्च त्यायालयों में अतिरिक्त त्यायाधीशों के अनेक पदों को स्थायी त्यायाधीशों के पदों में परिवर्त्तित कर दिया गया है। अधिकत्तर उच्च न्यायालयों में त्यायाधीशों की संख्या भी कुछ हद तक बढ़ा दी गई है। यह विचार किया जा रहा है कि राज्य सरकारों को सलाह दी जाए कि ये मुकदमों के संस्थित किए जाने, उनके निपटारे और बकाया मुकदमों की निपटाने की बात को ध्यान में रख कर त्यायाधीशों की संख्या के सवाल की फिर से जांच करें।

शाह समिति ने उच्च न्यायालयों में लिम्बत मुकदमों की घटाने के लिए हाल ही में अनेक सिफारिशे की हैं। इन सिफारिशों पर विचार किया जा रहा है और यथा संभव उनको कियान्वित किया जाएगा। Written Answers

् 971 के सामालय	्, उपबन् विसम्बर्ग में लिखन		उच्चतम चच्चा			भदमीं की संख्या
		वे संबंधित		31 .	•	1,574
 ছে		Pa?	196 स्मों की	so ,	•	1,062
4	t bas air		ंख्या 195		•	433
			195	. 88	. i '	437
1	+;	· ·	3,918	37 . <i>"</i>	-il .	351
0 9i	• ;		1,869		-11 L	363
	· • · · ·	•	1,462		•	" 33 3
	•	•	901 195	4 .	•	302
	•	•	429	3 .	•	274
	•	•	12	2 .]* ·	198
	•	•	1 195	.1	, ,	1.82
			195		1 + 17	135
			1 199	•		100
	उपबन	ម II	104	·		47
		ध II को अन्तमे	194 सभी		.i. ~	
ī	दिसम्बर यालयों में	के अन्त मे लम्बित म	सभी 194	8 , .	· •	18.
न्य।	दिसम्बर यालयों में और वर्ष वि	के अन्त मे	सभी 194 गमलों धित ¹⁹⁴	8 , .	1 12 12 14 14 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15	
पा	दिसम्बर यालयों में	के अन्त मे लम्बित म	सभी 194 ।मलों धित 194	8 ,		18.
या	दिसम्बर यालयों में और वर्ष वि	के अन्त में लम्बित म जनसे वे संबंधि मुकदमें	सभी 194 ।मलों धित 194 194 ों की	8 ,		18. 1I
न्या	दिसम्बर यालयों में और वर्ष वि	के अन्त में लम्बित म जनसे वेसंबं	सभी 194 धत 194 ं की 194	8		18 11 5 4 3
FI	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त में लम्बित म तनसे वे संबं मुकदमें संस्थ	सभी 194 (धत 194 (घत 194 () की 194 () 8,650	8		18. 1I
	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त में लिम्बित मा तनसे वे संबं मुकदमें संख्	सभी 194 प्रमलों 194 धित 194 ों की 194 था 194 8,650	8		18. 11. 5.44. 3.
Z	देसम्बर शिलयों में और वर्ष वि	के अन्त में लिम्बित म तनसे वे संबंधि मुकदमें संख्य . 1,38	सभी 194 (धत 194 (ों की 194 (\$,650 194 5,332	8		5 u 4
	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त में लिम्बित म तनसे वे संबंधि मुकदमें संख्य . 1,38	सभी 194 । मलों 194 । 194 ों की 194 8,650 194 5,332 194	8		18. 11. 5 4. 4. 3. 3. 3. 3.
Z	देसम्बर शिलयों में और वर्ष वि	के अन्त में लिम्बित मा जनसे वे संबंधि मुकदमें संस्थ • 1,38 • 88	सभी 194 194 194 194 5,650 194 5,332 194 193 193	8		18. 1I 5 . 4. 3 3
1	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त में लिम्बित म तनसे वे संबंधि मुकदमें संख्य • 1,38 • 5:	सभी 194 194 194 194 194 194 8,650 194 5,332 194 3,593 1,836	8		18. 11 4 4 3 3 3 3 4 2 5 5 3
41	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त मे लिम्बित मा तनसे वे संबंधि मुकदमे संस्थ • 1,33 • 83 • 53 • 33 • 21	सभी । मलों । मलों । मलों । 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 194 193 193 193 193 193 193 193	8		18. 11 4 4 3 3 3 3 4 2 5 5 3
	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त मे लिम्बित म तनसे वे संबंधि मुकदमे संख्य . 1,3% . 8% . 5% . 3% . 2% . 17	सभी । मलों । 194 194 194 194 194 8,650 194 5,332 194 3,593 1,836 193 1,836 193 1,836 193 193 193	8		18. 1I. 4. 3. 3. 3. 2. 5. 5.
FI	दिसम्बर यालयों में और वर्ष हि	के अन्त में लिम्बित मा तनसे वे संबंधि मुकदमें संख्य • 1,38 • 89 • 33 • 21 • 17	सभी । मलों । 194 194 194 194 8,650 194 5,332 194 5,385 194 1,836 193 1,836 193 1,836 193 1,93	8	in spring	18. 11. 4. 3. 3. 3. 4. 5. 5. 8. 4. 4. 4. 4. 4. 4. 4. 5. 5. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6. 6.

^{†[]} English translation.

a State subject. However, the extent to which delays and cost of litigation can be reduced by legislative measures has been considered from time to time on the basis of the recommendations of the Law Commission and other bodies. Amendments to the Civil Procedure Code and Criminal Procedure Code are contemplated on the basis of the Law Commission's reports. The present Law Commission is reviewing in a comprehensive manner the Civil Procedure Code with a view to cutting down delays and costs.

- (c) Information as at the end of June. 1972 is not readily available. Statement giving the information as at the end of December, 1971 are attached (See below Annexures I and II).
- (d) On a review of the state of work in each High Court conducted in December, 1967, it was found that inadequacy of December, 1971 are attached (See for the accumulation of arrears in most The other contributory factors were delay in filling vacancies, lack of court accommodation for appointment of more Judges and serving Judges being utilised on Commissions of Inquiry etc. without providing replacements for them in the High Courts.

The State Governments had been advised to review the Judge strength of the High Court with reference to annual institutions and arrears and to send proposals for appointment of more Judges, if necessary. The need for avoiding delay in filling vacancies and for providing replacements for Judges drafted for duty outside the High Court was also stressed.

During the last few years, several posts of Additional Judge in the High ·Courts have been converted into posts permanent Judge. The Judge strength of most of the High Courts has also been augmented to some extent. It is proposed to advise the State Governments to undertake a further

review of the Judge strength with reference to institutions, disposals and the arrears to be cleared.

to Questions

The Shah Committee has made number of recommendations recently for reducing arrears in the High Courts. These recommendations are under consideration and will be implemented to the extent feasible.

ANNEXURE I

Numbers of cases pending in the Supreme Court at the end of December, 1971 and the years to which they related

Year				•			Number of cases
1971				•	•		3,918
1970				•	•	6	1,869
1969				•	٠,		1,462
1968		č,				٠,	106,
1967		1.	<u>.</u> ,	54.~{	į,	. 1	., 429
1966		••	. * Ç	,	,	* 4.5	, I2
1965	•		•	•	•		I

ANNEXURE II

Number of cases pending in all the High Courts at the end of December, 1971 and the years to which they related

	Year		-	•		 Number of cases	
				<u></u> -		 	
	1971			, •	•	1,38,650	
	1970			•	• .	85,332	
	1969		•	•	•	55,385	
	1968		•		•	33,593	
	1967				• '	21,836	
	1966			•		17,164	
	1965				•	12,319	
	1964		•	,	•	7,104	
l							

844

1,903

3,954

3,518

2,435

Year			J ^e i	ie / =		ımber of Cases
1963	•				~ 6	4,137
1962				٠.	•	2,611
1961		٠.			•	1,574
1960	:	•	•	•	ية. •	1,062
1959			•,	•	•;	433
1958		•	•		1 🛊	. 437
1957				•	•	351
1956		•	•	•		363
1955		J.	т _ф с	•	Ir 1	4 333
1954	• •		1	11.	4.6.15.7	I2 302
1953						274
1952			٠.	~ .	વીલું તી ∸કુ	198
1951			2		10465 23	122
1950		a •	77.0			135
1949		» ! •		- · .		37
1948					•	18
1947					' •	, II
1946					•	4
1945					•	3
1944					•	3
1943					•	3
1942	•	•	•	٠.	.,,	, 3
1941	•		•	•	• *	' , 2
1940	•	•	•	•	•	5
1939	•	•	•	•	•	3
1938	•	•	•	•	•	5
1937	•	•	•	•	•	2
1936	•		•	•	•	4]

EXPORT OF TEA 36. SHRIMATI, LAKSHMI KUMARI CHUNDAWAT: SHRIMATI SAVITA BEHEN:

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state the total quantity of tea exported from Calcutta port, year-wise, during the last three years?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE

(SHRI A of tea expling the la	ported	fron	1 Calc	utta 1	Port dur-
Year	^1				Quantity Mn. Kg)
1969-70	•				117 40
1970-71	•	•			116.12
1971-72	•	•	•	•	122.32
1972.]					August,
38. [<i>T</i> 1972.]	ransfe	rred	to th	e 8th	August,
Export	of P	HARM	IACEU'	rical	Goods
39. SE			J PR. A PR		
TRADE (a) wh the expo	be placther of las	eased there ph t thre	to st has armac e yea	ate: been eutica rs;	oreign a fall in l goods or; and
1	meas	sures	adopt	ed to	step up
MINISTI (SHRI A A statem tics of 'P 69, 1969-	RY On C. lent sind the C. lent sind sind the C. lent sind sind sind sind sind sind sind sind	F F GEO: howing accuti 970-7: corre	FOREIRGE) Ig the cal G I and esponder	GN : (a) : expo oods Apri ding 1	No, Sir.
(b) an	d (c)	Does	not a	rise.	* * 1
. } !		C'm a rem	3400		, .·
* 4 ~ ,		SIAIE	MENT		
,	Pharm	ace u tro	al G oo	•	in '000)

1968-69

1969-70

1970-71

(1971)

April—Jan. '72 .

April—January .

(1971-72)